

दूरस्थ शिक्षण

वित्तीय प्रबन्धन एवं अर्थव्यवस्था

(Financial Management and Economics)

(हिन्दी रूपान्तर : केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, राजभाषा विभाग)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान,
न्यू महरौली रोड, मुनीरका, नई दिल्ली-110067

अस्पताल प्रबंधन



दूरस्थ शिक्षण

ब्लॉक-4

वित्तीय प्रबन्धन एवं अर्थव्यवस्था
(Financial Management and Economics)

(हिन्दी रूपान्तर : केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, राजभाषा विभाग)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान,
न्यू महरौली रोड, मुनीरका, नई दिल्ली-110067



(कोर ग्रुप)

डा.एच.हेलेन, निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान	अध्यक्ष
डा.पी.एन.घई, महासचिव, भारतीय अस्पताल संघ, नई दिल्ली	सदस्य
डा.पी.सत्यनारायण, प्रोफेसर, अस्पताल प्रशासन, निजाम चिकित्सा विज्ञान संस्थान, हैदराबाद	सदस्य
डा.ए.जी.चन्दोरकर, प्रोफेसर, औषध-विज्ञान विभाग, मेडिकल कालेज, कोल्हापुर	सदस्य
डा.एम.एस.प्रकाश, बाल रोग विशेषज्ञ, रेफरल अस्पताल, बेंगलोर	सदस्य
डा.एन.के.जैन, चिकित्सा अधीक्षक तथा जिला परिवार कल्याण अधिकारी, सिविल अस्पताल, गुडगांव	सदस्य
डा.एस.पी.खरे, मुख्य चिकित्सा निदेशक, उत्तर पूर्वी रेलवे, गोरखपुर	सदस्य
डा.ए.के.अग्रवाल	परियोजना-समन्वयकर्ता
डा.जे.के.दास	सह-समन्वयकर्ता
डा.बी.दयाल	परामर्शदाता

आभार

यह कोर ग्रुप इस परियोजना को सम्पन्न करने में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन के दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्रीय कार्यालय, नई दिल्ली से प्राप्त सहायता के लिए आभार प्रकट करता है।

यह दल निम्नलिखित के योगदान के लिए भी आभार प्रकट करता है, जिसके बिना इस ब्लॉक को इसके वर्तमान स्वरूप में प्रस्तुत करना संभव नहीं हो सकता था।

कुप्पुस्वामी, टी.एन.

अस्पताल परामर्शदाता, दिल्ली

शर्मा, बी.बी.एल.

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार
कल्याण संस्थान, नई दिल्ली

प्राक्कथन

देश में स्वास्थ्य की देखभाल संबंधी सेवा की प्रभावकारिता और कुशलता में सुधार लाने के लिए मानव संसाधन विकास महत्वपूर्ण होता है। उपयुक्त प्रशिक्षण और उसके स्वास्थ्य संबंधी देखभाल के लिए उपयोग किया जाना मानव संसाधन विकास का महत्वपूर्ण अंग होता है। अद्यतन जानकारी और कौशल में सुधार का गहरा संबंध सौंपे गए कार्य को निष्पादित करने की प्रेरणा शक्ति को बढ़ाने तथा अनुकूल विचारों का विकास करने के साथ होता है। यह व्यापक रूप से स्वीकार किया गया है कि 2000 ई. तक सभी के लिए अच्छे स्वास्थ्य का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए विभिन्न स्तरों पर भली भाँति प्रशिक्षित और प्रेरित स्वास्थ्य कार्मिकों का एक टीम के रूप में काम करना अत्यंत आवश्यक है।

अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के लिए यह भी आवश्यक है कि वे रेफरल सेवाओं के संपर्क साधनों (लिकेंजिस) डाक्टर, उपस्कर, प्रयोगशालाएं आदि चिकित्सा सेवाओं) को कारगर बनाएँ। स्वास्थ्य/अस्पताल के प्रशासकों के विचारों में परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। इस बात को भी व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है कि अस्पतालों तथा विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रबन्धन में लगे अस्पताल के प्रशासकों/अस्पताल के चिकित्सा कार्मिकों को योग्य बनाने के लिए आधुनिक प्रबन्ध शिक्षा और कौशल की आवश्यकता होती है ताकि वे अपेक्षित परिवर्तन लाने के लिए अस्पतालों की कुशलतापूर्वक प्रबन्ध व्यवस्था कर सकें। राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान ने विश्व स्वास्थ्य संगठन की वित्तीय सहायता से अस्पताल प्रशासन से संलग्न उसमें रुचि रखने वाले बड़ी संख्या में मौजूद चिकित्सा कार्मिकों की आसान पहुँच के लिए और उन्हें उत्कृष्ट अवसर प्रदान करने के लिए दूरस्थ शिक्षा डिस्टेंस लर्निंग के माध्यम से अस्पताल प्रबंधन में एक स्नातकोत्तर प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम तैयार किया है। एक राष्ट्रीय कार्यशाला में विभिन्न संस्थानों के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों द्वारा अस्पताल प्रशासन में प्रशिक्षण संबंधी आवश्यकताओं का पता लगाने के बाद, इस प्रयोजन के लिए गठित एक विशेषज्ञ दल ने यह कार्यक्रम और प्रशिक्षण सामग्री/सहायक सामग्री तैयार की है। पाठ्य सामग्री की पठनीयता, प्रासंगिकता, स्पष्टता तथा जीवन की परिस्थितियों में उपयुक्तता का पूर्व परीक्षण किया गया है। विशेषज्ञ कोर ग्रुप ने प्रशिक्षण सामग्री को अंतिम रूप दिया है और इसे उपयोगकर्ताओं के लिए अधिक अनुकूल बनाने का प्रयास किया है।

मैं आशा करता हूँ कि उपयोगकर्ताओं के लिए अनुकूल यूनिट उन सभी की प्रबन्धन क्षमताओं का विकास करने के लिए उपयोगी साबित होंगे जो इनका उपयोग और प्रयोग करेंगे।

नई दिल्ली
अगस्त, 1995

एच.हेलेन
निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान

विषय-सूची

		पृष्ठ संख्या
ब्लॉक 4	वित्तीय प्रबन्धन और अर्थ-व्यवस्था (इकोनोमिक्स)	1
	प्रस्तावना	1
	उद्देश्य	2
	यूनिट	2
यूनिट 4.1 : अस्पताल का बजट और इसका नियंत्रण		3
4.1.1	उद्देश्य	3
4.1.2	अन्तर्वस्तु	3
4.1.3	प्रस्तावना	3
4.1.4	अस्पताल का बजट और इसका नियंत्रण	5
4.1.5	बजट के प्रकार	8
4.1.6	बजट नियंत्रण	28
4.1.7	लागत निर्धारण	28
4.1.8	निष्पादन बजट तैयार करना	33
4.1.9	आयोजना, कार्यक्रम और बजट तैयार करने की प्रणाली (पीपीबीएस)	36
4.1.10	शून्य आधारित बजट तैयार करना	42
4.1.11	बजट तैयार करने की प्रौद्योगिकी	43
4.1.12	निष्कर्ष	46
4.1.13	यूनिट की समीक्षा संबंधी प्रश्न	46
4.1.14	प्रस्तावित अध्ययन सामग्री/संदर्भ सामग्री	46
यूनिट 4.2 : वित्तीय लेखा-पद्धति के मूल सिद्धान्त		48
4.2.1	उद्देश्य	48
4.2.2	अन्तर्वस्तु	48
4.2.3	प्रस्तावना	48
4.2.4	लेखा - पद्धति - बहीखाता - पद्धति के मुख्य घटक	52
4.2.5	सामाजिक लेखा-विधि - अस्पतालीय निःशुल्क सेवाओं का	67

	मापदण्ड	
--	---------	--

4.2.6	वित्तीय प्राधिकारों का प्रत्यायोजन - लेखाकार का दायित्व - सिद्धान्त एवं पद्धतियां	68
4.2.7	आय और व्यय का विवरण	71
4.2.8	आय-कर, सम्पदा कर, सम्पत्ति कर, सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क, बिक्री कर आदि	77
4.2.9	परिसमापन और दिवालियापन	78
4.2.10	लेखा विश्लेषण, लागत लाभ और लागत प्रभावी विश्लेषण	79
4.2.11	वित्तीय लेखापरीक्षा	81
4.2.12	अस्पताल प्रबंधकों को परामर्श	82
4.2.13	यूनिट की समीक्षा संबंधी प्रश्न	84
4.2.14	प्रस्तावित अध्ययन सामग्री/ संदर्भ सामग्री	84
यूनिट 4.3 : अस्पतालीय अर्थव्यवस्था की संकल्पनाएं और उनका अनुप्रयोग		86
4.3.1	उद्देश्य	86
4.3.2	अन्तर्वस्तु	86
4.3.3	महत्वपूर्ण मामले	86
4.3.4	प्रस्तावना	87
4.3.5	अस्पतालों की कुछ आर्थिक विशेषताएं	89
4.3.6	अस्पताल की वित्तीय व्यवस्था/संसाधन जुटाना	97
4.3.7	भारत में स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं के लिए व्यापक सांख्यिक बीमा	103
4.3.8	स्वास्थ्य बीमा वित्त व्यवस्था के लिए तर्क	104
4.3.9	स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के विस्तार के विरुद्ध तर्क	104
4.3.10	अस्पतालों की वित्त व्यवस्था की समस्याएं	105
4.3.11	यूनिट की समीक्षा संबंधी प्रश्न	105
4.3.12	प्रस्तावित अध्ययन-सामग्री/संदर्भ सामग्री	106
परिशिष्ट 1 : लागत-प्रभावित विश्लेषण के अन्तर्गत कार्रवाई - चरण		108